an>

title: Need to develop Alwar City of Rajasthan as a 'Smart City'.

श्री चाँद नाथ **(**अलवर**):** उपाध्यक्ष महोदय, मेरा संसदीय क्षेत्र अलवर राजधानी परियोजना क्षेत्र एन.सी.आर. में शामिल होने के बावजूद भी हमेशा से उपेक्षित रहा है। अलवर में पिछले समय में एन.सी.आर. प्लानिंग बोर्ड द्वारा कोई विशेष कार्य नहीं करवाये गये हैं, जिससे अलवर का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। अलवर जिला राजस्थान का सिंहद्वार कहलाता है, जो कि दिल्ली-जयपुर के मध्य में स्थित है। यहां पर पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां पर सरिस्का टाइगर रिजर्व, अरावली की हरित शृंखला, बाला किला, महाराज भतृहरि की तपोस्थली, स्वामी विवेकानन्द पूर्वास स्थल, जयसमन्द झील, मानसरोवर झील, डढीकर फोर्ट के पास श्यामसा स्थल है, जहां पर पुरातात्विक महत्व की राक पेन्टिंग्स काफी अच्छी अवस्था में मौजूद हैं। वह राष्ट्रीय स्तर का संग्रहालय भी है।

अलवर सिटी सरकार द्वारा बनाई गई गाइडलाइन्स में पूरी तरह से खरा उतरता है। मुझे प्राइवेट सैक्टर में पूरी तरह से सहयोग देने का आश्वासन दिया गया है। यदि पी.पी.पी., यानी पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के अंतर्गत अलवर को स्मार्ट सिटी घोषित किया जाये।

अतः इन सभी परिस्थियों को ध्यान में रखते हुए यदि शहरी विकास मंत्रालय अलवर को एक स्मार्ट सिटी के रूप में शामिल करता है तो निश्चित ही अलवर जिले का विकास होगा एवं अलवर जिले में पर्यटन को बढ़ावा भी मिल सकेगा। इसके साथ-साथ राजस्थान प्रदेश का विकास भी संभव हो सकेगा।

उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।